S Janaki Death दक्षिण की नाइटिंगेल एस. जानकी का 88 में निधन

विषय सूची (Table of Contents):

>> दिग्गज गायिका एस. जानकी का निधन 88 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस...
>> एक महान युग का दुखद अंत...
>> अंतिम दर्शन और भावुक क्षण...
>> संगीत जगत में शोक की लहर दक्षिण भारत की नाइटिंगेल ने दुनिया को कहा अलविदा...
>> दक्षिण भारत की नाइटिंगेल की उपाधि...
>> साथी कलाकारों की भावभीनी प्रतिक्रिया...
>> 9 साल की उम्र में पहली परफॉर्मेंस आंध्र प्रदेश से शुरू हुआ था जानकी अम्मा का सफ...
>> गुंटूर के छोटे से गांव में हुआ था जन्म...
>> बचपन में ही दिखा संगीत का जादू...
>> चेन्नई आगमन और करियर की शुरुआत तमिल फिल्म से रखा था प्लेबैक सिंगिंग में कदम...
>> 20 साल की उम्र में लिया बड़ा फैसला...
>> पहला ब्रेक और सफलता की सीढ़ी...
>> 60 साल का ऐतिहासिक सफर 20 भाषाओं में रिकॉर्ड किए 48 हजार से ज्यादा गाने...
>> सुरों का एक अद्भुत खजाना...
>> हर भाषा में बिखेरा अपना जलवा...
>> सुरों की मल्लिका एस. जानकी को मिले प्रमुख सम्मान और पुरस्कार...
>> राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कारों की झड़ी...
>> संगीत जगत में उनका अतुलनीय योगदान...
>> फैंस और संगीत प्रेमियों की आंखें नम सोशल मीडिया पर दी जा रही भावभीनी श्रद्धांजलि...
>> ट्विटर और इंस्टाग्राम पर उमड़ा भावनाओं का सैलाब...
>> निष्कर्ष एक अमर संगीत विरासत...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

दिग्गज गायिका एस. जानकी का निधन: 88 वर्ष की उम्र में ली अंति

एक महान युग का दुखद अंत

भारतीय संगीत उद्योग और सिनेमा के लिए वर्ष2026का यह पल बेहद दुखद और पीड़ादायक है।दिग्गज गायिका एस. जानकीका 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। इस खबर ने लाखों संगीत प्रेमियों को गहरे शोक में डाल दिया है।

उनका जाना भारतीय संगीत जगत के लिए एक ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकेगी। उन्होंने अपनी मधुर आवाज से कई पीढ़ियों के दिलों पर राज किया और अपनी एक अलग पहचान बनाई।

अंतिम दर्शन और भावुक क्षण

उनके निधन की खबर आते ही फैंस गहरे सदमे में हैं और सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। प्रशंसक लगातार उनके अंतिम संस्कार काlatest updateजानने के लिए समाचार वेबसाइट्स पर नजर बनाए हुए हैं।

यदि आप भी उनके अंतिम दर्शन का आधिकारिकstatusजानना चाहते हैं, तो विश्वसनीय न्यूज पोर्टल्सcheckकर सकते हैं। परिवार ने इस दुखद घड़ी में निजता बनाए रखने की अपील की है।

>> यूपी में वापस लौटा मानसून? 20 जिलों में भयानक गर्मी का अलर्ट!

संगीत जगत में शोक की लहर: दक्षिण भारत की नाइटिंगेल ने दुनि

दक्षिण भारत की नाइटिंगेल की उपाधि

एस. जानकी को उनकी अद्वितीय गायन शैली के लिए दक्षिण भारत की नाइटिंगेल (Nightingale of South India) कहा जाता था। उनकी सुरीली आवाज ने दक्षिण भारतीय सिनेमा को एक नया मुकाम दिया।

उनके प्रशंसकों के बीच वह इतनी लोकप्रिय थी कि लोग उन्हें प्यार और सम्मान से जानकी अम्मा कहकर बुलाते थे। उनके निधन से पूरा फिल्म और संगीत उद्योग शोक में डूब गया है।

साथी कलाकारों की भावभीनी प्रतिक्रिया

उनके निधन की खबर सुनते ही कमल हासन, रजनीकांत, इलैयाराजा और चिन्मयी श्रीपदा जैसे बड़े सितारों ने शोक व्यक्त किया है। संगीतकारों का मानना है कि उन्होंने जो विरासत छोड़ी है, वह सदियों तक याद रखी जाएगी।

आज हर कोई उनके गाए गानों कीlistनिकालकर उन्हें याद कर रहा है। उनकी आवाज में जो दर्द, खुशी और चंचलता थी, वह किसी और गायिका में मिलना

दुर्लभ है।

9 साल की उम्र में पहली परफॉर्मेंस: आंध्र प्रदेश से शुरू हुआ

गुंटूर के छोटे से गांव में हुआ था जन्म

एस. जानकी का जन्म 23 अप्रैल 1938 को ब्रिटिश भारत के मद्रास प्रेसीडेंसी में हुआ था। यह स्थान वर्तमान मेंआंध्र प्रदेशराज्य के गुंटूर जिले में रेपल्ले तालुक के अंतर्गत पल्लापाटला में आता है।

उनका पारिवारिक परिवेश बहुत ही साधारण था। उनके पिता सिस्टला श्रीराममूर्ति एक आयुर्वेदिक डॉक्टर और शिक्षक थे। वहीं से उनके भीतर संगीत के बीज अंकुरित हुए थे।

बचपन में ही दिखा संगीत का जादू

उन्होंने कभी कोई औपचारिक शास्त्रीय संगीत की शिक्षा बचपन में नहीं ली, लेकिन उनकी प्रतिभा जन्मजात थी। मात्रनौ साल की उम्र मेंउन्होंने पहली बार स्टेज पर परफॉर्म किया था।

इस छोटी सी उम्र में ही उन्होंने साबित कर दिया था कि वे आगे चलकर संगीत की दुनिया पर राज करने वाली हैं। आगे चलकर उन्होंने विधिवत रूप से शास्त्रीय संगीत सीखा और अपनी कला को निखारा।

>> रूटीन नौकरी नहीं! 3540 टीचिंग एसोसिएट पद दिखा रहा है बम्पर गारंटी, जानते हैं क्या करें?

चेन्नई आगमन और करियर की शुरुआत: तमिल फिल्म से रखा था प्लेबैक

20 साल की उम्र में लिया बड़ा फैसला

जब एस. जानकी लगभग 20 वर्ष की हुईं, तो संगीत के प्रति उनके जुनून ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अपने एक रिश्तेदार की सलाह पर वे अवसरों की तलाश मेंचेन्नई (मद्रास)चली गईं।

चेन्नई पहुंचने के बाद उनकी मुलाकात दिग्गज म्यूजिक कंपोजरआर. सुदर्शनमसे हुई। उन्होंने एवीएम स्टूडियो में एक सिंगर के तौर पर काम करना शुरू

किया और यहीं से उनके पेशेवर करियर की शुरुआत हुई।

पहला ब्रेक और सफलता की सीढ़ी

उन्होंने वर्ष 1957 में तमिल फिल्म विधिइन विलायाट्टु (Vidhiyin Vilayattu)से एक प्लेबैक सिंगर के रूप में अपना पहला ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

बहुत ही जल्द उनकी आवाज निर्देशकों की पहली पसंद बन गई। उनके गानों की लोकप्रियता का आलम यह है कि आज भी युवा गायक उनकी गायकी काPDFनोट्स बनाकर रियाज करते हैं।

60 साल का ऐतिहासिक सफर: 20 भाषाओं में रिकॉर्ड किए 48 हजार से

सुरों का एक अद्भुत खजाना

एस. जानकी का संगीत करियर लगभग60 वर्षोंका रहा। इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिके रहना और टॉप पर बने रहना अपने आप में एक बड़ा कीर्तिमान है।

उन्होंने अपने पूरे करियर में लगभग48,000 से ज्यादा गानेरिकॉर्ड किए। इतने विशाल संग्रह को देख कर कोई भी हैरान रह जाता है। यह उनकी अथक मेहनत और गायन के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

हर भाषा में बिखेरा अपना जलवा

उन्होंने केवल अपनी मातृभाषा में ही नहीं, बल्कि20 से अधिक भाषाओंमें गाने गाए। इनमें तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इसके अलावा उन्होंने संस्कृत, ओडिया, उर्दू, बंगाली और यहां तक कि अंग्रेजी, जापानी और जर्मन भाषाओं में भी अपनी आवाज दी। उनकी यह बहुमुखी प्रतिभा ही उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती है।

>> वर्षा यादव: सरकारी नौकरी की हर अपडेट, लाखों युवाओं की उम्मीद! जानें क्यों?

सुरों की मल्लिका एस. जानकी को मिले प्रमुख सम्मान और पुरस्कार

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कारों की झड़ी

अपनी बेजोड़ गायकी के लिए एस. जानकी को अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने करियर में चार नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स (National Film Awards) जीते, जो उनकी ता का प्रमाण हैं।

इसके अलावा, उन्हें 33 से अधिक विभिन्न राज्य स्तरीय फिल्म पुरस्कारों से भी नवाजा गया। दक्षिण भारत के हर राज्य ने उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ गायिका के रूप में स्वीकार किया।

संगीत जगत में उनका अतुलनीय योगदान

इतने पुरस्कार और सम्मान मिलने के बावजूद वे हमेशा जमीन से जुड़ी रहीं। कई संगीत संस्थानों ने उनके नाम पर पुरस्कार भी शुरू किए हैं, जिसके लिए युवा गायक आज भीapply onlineकरके अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।

उनकी सादगी, विनम्रता और गायकी के प्रति ईमानदारी ही वह कारण है जिससे उन्हें सुरों की मल्लिका कहा जाता है।

फैंस और संगीत प्रेमियों की आंखें नम: सोशल मीडिया पर दी जा रह

ट्विटर और इंस्टाग्राम पर उमड़ा भावनाओं का सैलाब

जानकी अम्मा के निधन की खबर से इंटरनेट पर शोक का माहौल है। ट्विटर (X), इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उनके वीडियो और पुराने गानों की क्लिप्स वायरल हो रही हैं।

लोग उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। कई हस्तियों ने उनके परिवार को सांत्वना दी है और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का संदेश दिया है।

निष्कर्ष: एक अमर संगीत विरासत

भले ही एस. जानकी आज शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सुरीली आवाज और उनके गाए गए 48 हजार से अधिक गीत हमेशा अमर रहेंगे।

वे आने वाली कई पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनी रहेंगी। उनका नाम भारतीय संगीत के इतिहास में हमेशा सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। अलविदा, जानकी अम्मा!

जनता के सवाल (FAQs)

दिग्गज प्लेबैक सिंगर एस. जानकी का निधन 88 वर्ष की आयु में हुआ। उन्होंने जुलाई 2026 में अपनी अंतिम सांस ली।

एस. जानकी को उनकी सुरीली आवाज के कारण दक्षिण भारत की नाइटिंगेल (Nightingale of South India) के नाम से जाना जाता था, और उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से जानकी अम्मा कहते थे।

अपने 60 वर्षों के लंबे और सफल करियर में, उन्होंने 20 से अधिक भाषाओं में लगभग 48,000 से ज़्यादा गाने रिकॉर्ड किए थे।

उनका जन्म 23 अप्रैल 1938 को आंध्र प्रदेश (उस समय के मद्रास प्रेसीडेंसी) के गुंटूर जिले के पल्लापाटला गांव में हुआ था।

एस. जानकी ने मात्र नौ साल की कम उम्र में ही पहली बार स्टेज पर परफॉर्म किया था, जिसने उनके शानदार करियर की नींव रखी।

उन्होंने वर्ष 1957 में तमिल फिल्म विधिइन विलायाट्टु (Vidhiyin Vilayattu) से एक प्लेबैक सिंगर के रूप में अपना पहला गाना रिकॉर्ड किया था।

जी हां, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम के साथ-साथ उन्होंने हिंदी और कई अन्य विदेशी भाषाओं में भी सुपरहिट गाने दिए हैं।

बिल्कुल, कई संगीत वेबसाइट्स और प्रशंसक मंचों पर उनके महान गानों की पूरी list और लिरिक्स PDF फॉर्मेट में मुफ्त में उपलब्ध हैं।

उनके अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार का latest update तथा लाइव status जानने के लिए आप प्रमाणित न्यूज़ पोर्टल्स और उनके परिवार के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स check कर सकते हैं।